समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

उपराष्ट्रपति चुनाव 2025: सी.पी. राधाकृष्णन बनाम बी. सुधर्शन रेड्डी – नंबर गेम मे कौन भारी ?

Publisher

Published on 08 Sep 2025

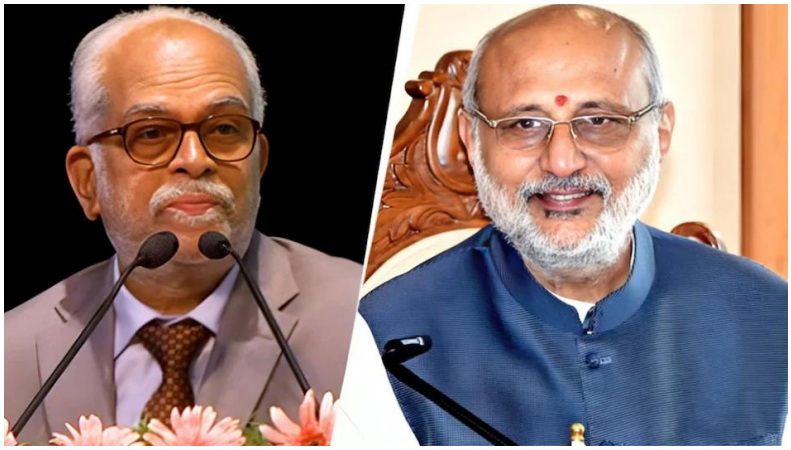

भारत में **उपराष्ट्रपति चुनाव 2025** की तस्वीर अब साफ होने लगी है। सत्ता पक्ष (एनडीए) ने अपने उम्मीदवार के रूप में **सी.पी. राधाकृष्णन** को मैदान में उतारा है, वहीं विपक्ष ने पूर्व न्यायाधीश और संवैधानिक विशेषज्ञ **बी. सुधर्शन रेड्डी** को अपना उम्मीदवार बनाया है। दोनों ही उम्मीदवार अपनी-अपनी राजनीतिक और सामाजिक पहचान रखते हैं। ऐसे में असली सवाल है कि संसद के गलियारों में होने वाला यह नंबर गेम किसके पक्ष में जाएगा।

भारत का उपराष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों — लोकसभा और राज्यसभा — के निर्वाचित एवं नामित सदस्यों द्वारा चुना जाता है। कुल वोटर्स: लगभग **788 सांसद, लोकसभा**: 543, **राज्यसभा**: 245। मतदान गुप्त मतपत्र द्वारा होता है और यह चुनाव **एकल संक्रमणीय मत प्रणाली (Single Transferable Vote)** के जरिए होता है। इस बार चुनाव में सभी की निगाहें खास तौर पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच के समीकरण पर हैं।

सी.पी. राधाकृष्णन तमिलनाडु के वरिष्ठ बीजेपी नेता हैं और वर्तमान में राज्यपाल के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वह संगठन के पुराने कार्यकर्ता माने जाते हैं और दक्षिण भारत में पार्टी को मजबूत करने की दिशा में उनका योगदान अहम रहा है।

फायदे :

- एनडीए के पास लोकसभा में स्पष्ट बहुमत।
- सहयोगी दलों का मजबूत समर्थन।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी नेतृत्व का भरोसा।

बी. सुधर्शन रेड्डी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रहे हैं। उन्हें संविधान और कानून की गहरी समझ है। विपक्ष ने उन्हें “निष्पक्ष,

ईमानदार और बौद्धिक" छवि के चलते उम्मीदवार बनाया है।

फायदे :

- विपक्ष की एकजुटता का प्रतीक चेहरा।
- दक्षिण भारत से ताल्लुक, जिससे क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश।
- बौद्धिक और संवैधानिक छवि के कारण सम्मान।

अब सवाल उठता है कि आखिर किसके पक्ष में संख्या बल ज्यादा है।

- **एनडीए गठबंधन (बीजेपी + सहयोगी दल)**
  - लोकसभा: लगभग 330 सांसद
  - राज्यसभा: लगभग 110 सांसद
  - कुल समर्थन: लगभग 440 सांसद
- **विपक्ष गठबंधन (कांग्रेस + क्षेत्रीय दल)**
  - लोकसभा: लगभग 180 सांसद
  - राज्यसभा: लगभग 120 सांसद
  - कुल समर्थन: लगभग 300 सांसद
- **अन्य/स्वतंत्र/अनिर्णीत**
  - लगभग 40-45 सांसद

यानी, **एनडीए का उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन फिलहाल संख्या बल मे आगे दिख रहे है।**

हालांकि आंकड़े एनडीए के पक्ष में हैं, लेकिन विपक्ष उम्मीद लगाए बैठा है कि कुछ क्षेत्रीय दल अंत समय पर उनका समर्थन कर सकते हैं। खासतौर पर तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और केरल के कुछ दलों की भूमिका अहम होगी।

साथ ही, उपराष्ट्रपति का चुनाव पूरी तरह से गुप्त मतदान से होता है, जिससे क्रॉस वोटिंग की संभावना भी बनी रहती है। कई बार देखा गया है कि सांसद पार्टी लाइन से हटकर भी वोट डालते हैं।

भारत के उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति भी होते हैं। यानी संसद की कार्यवाही को सुचारु ढंग से चलाना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। इसलिए यह चुनाव केवल एक संवैधानिक पद भरने का मामला नहीं, बल्कि संसद की राजनीति और उसकी दिशा तय करने वाला भी है।

अब तक ज्यादातर उपराष्ट्रपति चुनावों में सत्ता पक्ष का उम्मीदवार ही विजयी रहा है। विपक्ष ने कुछ चुनावों में कड़ी चुनौती दी, लेकिन संख्या बल के कारण सत्ता पक्ष का पलड़ा भारी पड़ा।
इस बार भी यही परंपरा दोहराई जा सकती है।

उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 में **सी.पी. राधाकृष्णन और बी. सुधर्शन रेड्डी** के बीच मुकाबला भले ही रोचक हो, लेकिन आंकड़े और नंबर गेम साफ तौर पर एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में दिख रहे हैं। फिर भी, राजनीति में समीकरण कब बदल जाएं, यह कहना मुश्किल है। अब सबकी निगाहें मतदान के दिन पर टिकी हैं, जब तय होगा कि संसद का दूसरा सर्वोच्च पद किसे मिलेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.